अर्द्धवार्षिक परीक्षा

सत्र – २०२१-२२

पूर्णांक – 75

कक्षा – बी. ए भाग-तीन

विषय – हिन्दी साहित्य

प्रश्न पत्र – प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम – जनपदीय भाषा-साहित्य छत्तीसगढ़ी

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न ① – छत्तीसगढ़ी साहित्य की विकास यात्रा विषय पर एक निबंध लिखिए।

(अथवा)

छत्तीसगढ़ की काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ी साहित्य का विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ② – लखन लाल गुप्त की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में मनाए जाने वाली विजयदशमी का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

प्रश्न ③ – सीख-सीख के गोठ पाठ का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए, सामाजिक जीवन में लोकोक्तियों का महत्व प्रतिपादित कीजिए। (अथवा)

विनयकुमार पाठक की काव्य-कला पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

प्रश्न ④ – मुकुन्द कौशल और छत्तीसगढ़ी ग़ज़ल विषय पर आलेख लिखिए। (अथवा)

"छत्तीसगढ़ी गजल में मुकुन्द कौशल का वही स्थान है जो हिन्दी ग़ज़ल में दुष्यन्त कुमार का है।" कथन को सिद्ध कीजिए।

प्रश्न ⑤ – निम्नलिखित में किन्हीं 3 पर टिप्पणी लिखिए।

① 'तै उठथस सुरुज उथे" का भाव पक्ष।

② पं. सुन्दरलाल शर्मा की प्रमुख कृतियाँ।

③ चंदैनी गोंदा का उद्देश्य और ~~ल~~ रामचंद्र देशमुख।

④ कपिलनाथ कश्यप की काव्य कला।

⑤ रामचंद्र देशमुख का 'कारी'।

Scanned with CamScanner

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

सत्र - 2021-22

पूर्णांक - 75

कक्षा - बी. ए. तृतीय वर्ष

विषय - हिन्दी साहित्य

प्रश्न पत्र - द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम - साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

नोट :- सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

प्रश्न -①- पश्चिमी हिन्दी की बोलियों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

प्रश्न -②- 'भक्ति साहित्य सनमुख सामाजिक-सांस्कृतिक नवजागरण उपज है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न -③- छायावाद की महत्वपूर्ण विशेषताएँ एवं प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न ④- हिन्दी साहित्य के आदिकाल के नामकरण एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ⑤- रस के प्रकार उदा॰ सहित लिखिए।

Scanned with CamScanner